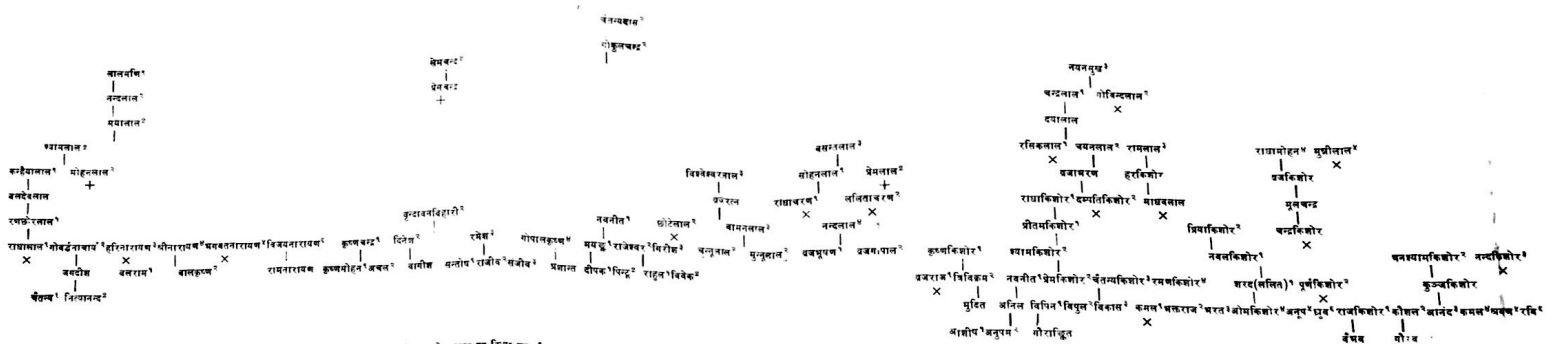
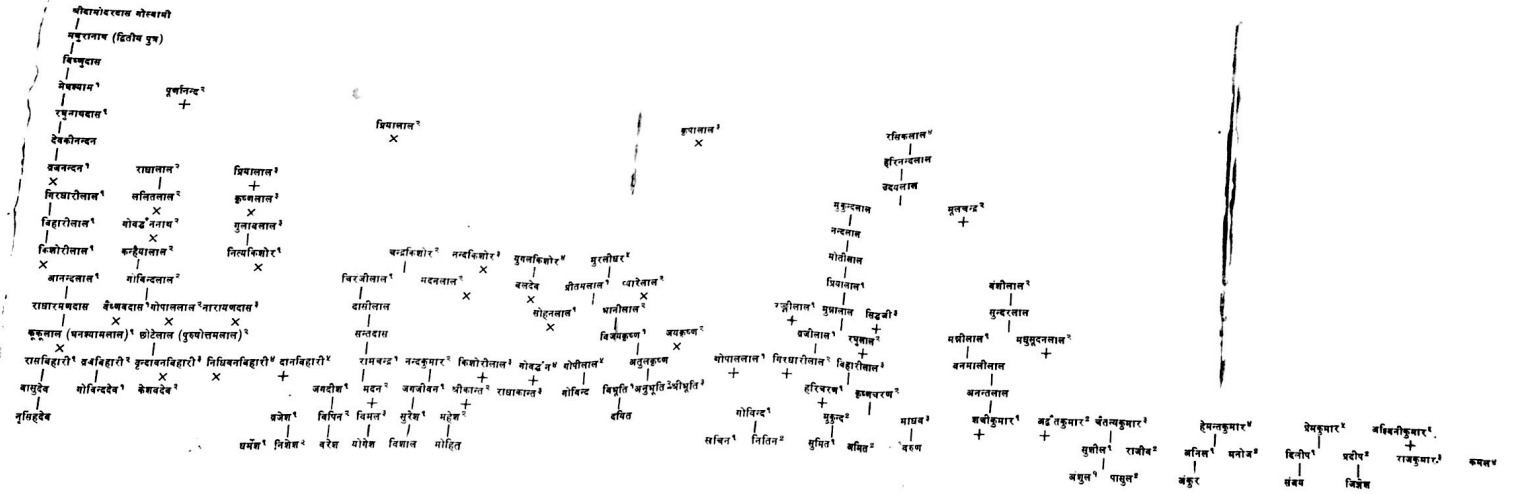


प्रथम थामे का द्वितीय भाग-



बायबेरक-1. प्रथम थामे से प्रथम थामे तक का नामोल्लेख "दि एण्णपर देण, दनाहकाण" के द्वारा संस्कार के आधार पर किया गया है।
 2. पुत्र नामोल्लेख पहले पर भी सावित्र, आर्तिरक, नामिक, अष्टक नामाष्टक, क्रमिक परिवर्तन एवं अष्टकाष्टक सम्बन्धित पुरिण सम्पाद्य है।
 3. यद्यपि नामोल्लेख प्राथमिक वाचकरी, निश्चित सूचना, सम्बन्धित कर्म के आदिम आधार पर किया गया है तथापि पुरिण सम्पाद्य है।
 4. बार बार अनुसूच करने पर भी कुछ मंत्र कर्मजियों के नाम प्राप्त न होने से मुद्रित नहीं किए जा सके। उपर्युक्त पुरिणों की सूचना दे जिससे आर्ति संस्कार से संकोचन किया जा सके।
 5. ● कृष्णनाथ ? X + पुत्र कर्मजि का अभाव संशय राधामोहन, मुनीनाथ, शरीर, मन्त्रोक्त महत्कारक-श्रीरुद्रण भोस्वामी द्वारा

(षष्ठम धाम)



(सप्तम थामा)

गोस्वामी श्रीदामोदरदास
|
श्रीहरिरामजी (तृतीय-पुत्र)
|

१
छवीलेराम
|
नथूराम
| १
मकरन्द
X
१
मदमगोपाल
|
श्रीकृष्ण
|
वेंदनाथ
| १
मुन्नालाल
|
लल्लाजी
|
वव्वूलाल
X

२
लालचन्द
|
२
विहारीलाल
X

३
हरिचन्द
X
३
हरिजीवन
X

२
वृन्दावन
X १
आनन्दलाल
|
वलदेवजी
|
कृष्णचरण
|

१
बालमुकुन्द
| २
रामलाल
|
ललिताचरण
X

१
निमाईचरण
|
नीलमणि
| १
चन्द्रकान्तमणि
|
गौरव

२
गदाधरचरण
X

२
राधाकान्त
|
चन्दन

२
वर्द्धनदास
X
४
हरिचन्द
X
४
श्रीकृष्ण
|
दयाकृष्ण
|
भोलाना
| २
रसिकानन्द
X ३
नारायणदास
X